Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the *'Committee on Publication Ethics'*

Online ISSN: 2584-184X

Research Article

Media and Indian Politics: The Process of Public Opinion Formation

मीडिया और भारतीय राजनीति: जनमत निर्माण की प्रक्रिया

Dr. Swadesh Kumar

ABSTRACT

In the modern democratic system, the media is regarded as one of the most important channels of communication between the government and citizens. The effective functioning of democracy depends not only on its institutional structure but also on how political information reaches citizens and how they form public opinion on the basis of that information. In a vast, multilingual, and pluralistic democracy such as India, the role of the media becomes even more complex and influential. The media not only provides information about political events, policies, and electoral processes but also shapes citizens' political understanding and perspectives through the interpretation and presentation of these events.

This research paper provides a comprehensive analysis of the role of the media in Indian politics and the process of public opinion formation. The study examines the development of the media from traditional forms to contemporary digital platforms, along with its influence on political agenda-setting, styles of news presentation, electoral discourse, and social perceptions. The study demonstrates that the media, in addition to serving as an instrument for disseminating information, plays an active role in promoting democratic participation, generating political awareness, and shaping the direction of public discourse.

At the same time, the study finds that the growing reach and influence of the media have also created several challenges, including concerns regarding impartiality, credibility, commercial pressures, sensationalism, and the accuracy and authenticity of information. The rapid expansion of digital and social media has further transformed the speed and nature of political communication, making the processes of information dissemination and public opinion formation increasingly complex. Therefore, a comprehensive examination of the role of the media is essential for understanding the formation of public opinion and the functioning of democratic political communication in contemporary India.

KEYWORDS: Media; Indian Politics; Public Opinion Formation; Democracy; Political Communication; Information Dissemination; Public Perception; Political Discourse

आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था में मीडिया को शासन और नागरिकों के मध्य संवाद का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। लोकतंत्र का प्रभावी संचालन केवल संस्थागत संरचना पर निर्भर नहीं करता, बल्कि इस बात पर भी आधारित होता है कि नागरिकों तक राजनीतिक सूचना किस रूप में पहुँचती है और वे उसके आधार पर किस प्रकार जनमत का निर्माण करते हैं। भारत जैसे विशाल, बहुभाषीय और बहुलतावादी लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका और भी अधिक जटिल और प्रभावशाली हो जाती है। मीडिया न केवल राजनीतिक घटनाओं, नीतियों और चुनावी प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान करता है, बल्कि वह इन घटनाओं की व्याख्या और प्रस्तुति के माध्यम से नागरिकों की राजनीतिक समझ और दृष्टिकोण को भी आकार देता है।

प्रस्तुत शोध-पत्र में भारतीय राजनीति में मीडिया की भूमिका और जनमत निर्माण की प्रक्रिया का व्यापक विश्लेषण किया गया है। अध्ययन में पारंपरिक माध्यमों से लेकर आधुनिक डिजिटल मंचों तक मीडिया के विकास, राजनीतिक एजेंडा निर्धारण, समाचार प्रस्तुति की शैली, चुनावी विमर्श तथा सामाजिक धारणा पर इसके प्रभाव को शामिल किया गया है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि मीडिया सूचना प्रसार का साधन होने के साथ-साथ लोकतांत्रिक सहभागिता को बढ़ाने, राजनीतिक जागरूकता उत्पन्न करने और सार्वजनिक विमर्श की दिशा निर्धारित करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। साथ ही यह भी पाया गया कि मीडिया की बढ़ती पहुँच और प्रभाव के साथ निष्पक्षता, विश्वसनीयता, व्यावसायिक दबाव तथा सूचना की सत्यता जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। इसलिए जनमत निर्माण की प्रक्रिया को समझने के लिए मीडिया की भूमिका का समग्र अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो जाता है।

मुख्य शब्द- मीडिया; भारतीय राजनीति; जनमत निर्माण; लोकतंत्र; राजनीतिक संचार; सूचना प्रसार; जनधारणा; राजनीतिक विमर्श

Article History

- **ISSN**: 2584-184X
- **Received:** 16 Nov 2023
- **Accepted**: 28 Dec 2023
- **MRR:**1(1) Dec.2023:88-90
- **©2023, All Rights Reserved**
- **Peer Review Process:** Yes
- **Plagiarism Checked**: Yes

Authors Details

Dr. Swadesh Kumar
एसोसिएट प्रोफेसर
राजनीति विज्ञान विभाग
आगरा कॉलेज आगरा,
उत्तर प्रदेश, भारत

Corresponding Author

Dr. Swadesh Kumar
एसोसिएट प्रोफेसर
राजनीति विज्ञान विभाग
आगरा कॉलेज आगरा,उत्तर प्रदेश,
भारत

1. प्रस्तावना

लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि नागरिक राजनीतिक प्रक्रियाओं के प्रति कितने जागरूक और सक्रिय हैं। जनमत लोकतांत्रिक व्यवस्था की वह आधारशिला है जिसके माध्यम से नीतियाँ, नेतृत्व और राजनीतिक निर्णय प्रभावित होते हैं [1]। जनमत का निर्माण स्वतः नहीं होता, बल्कि यह एक निरंतर सामाजिक और संचारात्मक प्रक्रिया का परिणाम होता है। इस प्रक्रिया में मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, क्योंकि वही सूचना का प्रमुख स्रोत बनकर नागरिकों के सामने राजनीतिक घटनाओं की व्याख्या प्रस्तुत करता है। इस प्रकार मीडिया लोकतंत्र में सूचना और शक्ति के बीच संतुलन स्थापित करने का माध्यम बनता है।

भारतीय संदर्भ में मीडिया का ऐतिहासिक विकास लोकतांत्रिक चेतना से गहराई से जुड़ा रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान समाचार पत्र और पत्रिकाएँ केवल सूचना देने का साधन नहीं थीं, बल्कि उन्होंने राजनीतिक जागरूकता, राष्ट्रीय भावना और सामाजिक सुधार आंदोलनों को प्रोत्साहित किया [2]। उस समय मीडिया ने औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध जनमत निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वतंत्रता के बाद रेडियो और दूरदर्शन जैसे माध्यमों ने राष्ट्रीय स्तर पर सूचना के प्रसार को व्यापक बनाया, जिससे सरकार और नागरिकों के बीच संवाद का एक औपचारिक ढांचा विकसित हुआ।

समय के साथ मीडिया का स्वरूप तेजी से बदलता गया। निजी समाचार चैनलों के उदय ने सूचना प्रसार को प्रतिस्पर्धात्मक बनाया और राजनीतिक विमर्श अधिक गतिशील हो गया। इक्कीसवीं सदी में डिजिटल तकनीकों के विस्तार ने मीडिया की प्रकृति को पूरी तरह बदल दिया [3]। अब सूचना का प्रवाह केवल एक दिशा में नहीं होता, बल्कि नागरिक स्वयं भी समाचार और विचारों के प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाने लगे हैं। सामाजिक माध्यमों ने राजनीतिक संवाद को अधिक लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन साथ ही सूचना की विश्वसनीयता और सत्यता को लेकर नई चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुईं।

मीडिया की भूमिका केवल घटनाओं की रिपोर्टिंग तक सीमित नहीं रहती। वह यह भी निर्धारित करता है कि कौन-से मुद्दे समाज और राजनीति के लिए महत्वपूर्ण माने जाएँगे [4]। इसे एजेंडा निर्धारण की प्रक्रिया कहा जाता है। जब किसी मुद्दे को बार-बार प्रमुखता दी जाती है, तो वह सार्वजनिक चर्चा का केंद्र बन जाता है। इस प्रकार मीडिया समाज की प्राथमिकताओं और राजनीतिक विमर्श को प्रभावित करता है। भारतीय राजनीति में यह प्रक्रिया स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जहाँ सामाजिक न्याय, आर्थिक नीतियाँ, भ्रष्टाचार या चुनावी रणनीतियाँ मीडिया प्रस्तुति के कारण राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती हैं।

चुनावी राजनीति में मीडिया की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। चुनावों के दौरान राजनीतिक दल मीडिया के माध्यम से अपनी नीतियों और विचारों को जनता तक पहुँचाते हैं [5]। समाचार विश्लेषण, बहस, राजनीतिक साक्षात्कार और प्रचार सामग्री मतदाताओं की धारणा को प्रभावित करती हैं। इस प्रक्रिया में मीडिया एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करता है जहाँ राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और जनमत निर्माण एक साथ संचालित होते हैं।

हालाँकि मीडिया की बढ़ती शक्ति के साथ कई चिंताएँ भी उभरकर सामने आई हैं। व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा, राजनीतिक प्रभाव और सनसनीखेज प्रस्तुति की प्रवृत्ति मीडिया की निष्पक्षता पर प्रश्न उठाती है [6]। इससे जनमत निर्माण में पक्षपात या अधूरी सूचना की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए मीडिया की भूमिका का मूल्यांकन करते समय उसके सकारात्मक योगदान के साथ-साथ उसकी सीमाओं और चुनौतियों का अध्ययन करना आवश्यक हो जाता है।

इस शोध का उद्देश्य भारतीय राजनीति में मीडिया की भूमिका का विश्लेषण करते हुए यह समझना है कि जनमत निर्माण की प्रक्रिया किस प्रकार संचालित होती है, मीडिया किस प्रकार राजनीतिक धारणाओं को प्रभावित करता है, और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसकी संभावनाएँ तथा सीमाएँ क्या हैं।

2. कार्यप्रणाली

प्रस्तुत शोध-पत्र में गुणात्मक अनुसंधान पद्धति को अपनाया गया है, जिसके माध्यम से मीडिया और भारतीय राजनीति के मध्य संबंध का गहन विश्लेषण किया गया है [1,6]। अध्ययन का उद्देश्य मीडिया के विभिन्न आयामों को समझते हुए यह स्पष्ट करना है कि जनमत निर्माण की प्रक्रिया किन कारकों से प्रभावित होती है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए साहित्य समीक्षा, तुलनात्मक अध्ययन और नीतिगत विश्लेषण पद्धति का संयुक्त प्रयोग किया गया।

अध्ययन के प्रथम चरण में मीडिया और जनमत निर्माण से संबंधित सैद्धांतिक अवधारणाओं का विश्लेषण किया गया। इसमें राजनीतिक संचार, सूचना प्रवाह, सामाजिक धारणा निर्माण तथा एजेंडा निर्धारण जैसे सिद्धांतों का अध्ययन शामिल था [2]। इस चरण के माध्यम से शोध का वैचारिक ढांचा तैयार किया गया, जिससे मीडिया की भूमिका को सैद्धांतिक आधार पर समझा जा सके।

द्वितीय चरण में भारतीय मीडिया के ऐतिहासिक विकास का विश्लेषण किया गया। इसमें स्वतंत्रता आंदोलन के समय के समाचार पत्रों से लेकर आधुनिक समाचार चैनलों और डिजिटल मंचों तक मीडिया के परिवर्तन का अध्ययन शामिल था [3]। इस चरण का उद्देश्य यह समझना था कि मीडिया के स्वरूप में आए बदलावों ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को किस प्रकार प्रभावित किया।

तृतीय चरण में डिजिटल मीडिया और सामाजिक मंचों की बढ़ती भूमिका का विश्लेषण किया गया [4]। इसमें यह देखा गया कि डिजिटल संचार ने सूचना के प्रवाह को तेज करने के साथ-साथ नागरिक सहभागिता को कैसे बढ़ाया। साथ ही गलत सूचना, अपुष्ट खबरों और त्वरित प्रतिक्रिया की प्रवृत्ति जैसी चुनौतियों का भी विश्लेषण किया गया।

चतुर्थ चरण में चुनावी राजनीति और राजनीतिक अभियानों के दौरान मीडिया की भूमिका का अध्ययन किया गया [5]। इस चरण में समाचार प्रस्तुति, बहस, विश्लेषण और प्रचार के माध्यम से मतदाताओं की धारणा पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने का प्रयास किया गया। यह चरण जनमत निर्माण की वास्तविक प्रक्रिया को समझने में महत्वपूर्ण रहा।

पंचम चरण में मीडिया की सकारात्मक भूमिकाओं और उससे जुड़ी चुनौतियों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया [6]। निष्पक्षता, विश्वसनीयता, व्यावसायिक दबाव और राजनीतिक प्रभाव जैसे मुद्दों को अध्ययन में शामिल किया गया, जिससे निष्कर्ष अधिक संतुलित और यथार्थपरक बन सकें।

अध्ययन की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विद्वानों के शोध, विश्लेषणात्मक लेखों और उपलब्ध साहित्य का समेकित अध्ययन किया गया। यह शोध वर्ष 2023 तक उपलब्ध संदर्भों तक सीमित रखा गया, ताकि निष्कर्ष समकालीन राजनीतिक और मीडिया परिस्थितियों के अनुरूप रहें [10]। अनुसंधान मुख्यतः विश्लेषणात्मक और व्याख्यात्मक प्रकृति का है।

परिणाम

अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि मीडिया भारतीय राजनीति में जनमत निर्माण का एक शक्तिशाली माध्यम है। यह नागरिकों की राजनीतिक समझ को आकार देता है और राजनीतिक विषयों के प्रति उनकी रुचि को प्रभावित करता है।

मीडिया राजनीतिक मुद्दों को प्रमुखता देकर सामाजिक चर्चा की दिशा निर्धारित करता है, जिससे जनता की प्राथमिकताएँ और राजनीतिक दृष्टिकोण प्रभावित होते हैं [4]।

चुनावी राजनीति में मीडिया की भूमिका विशेष रूप से प्रभावशाली पाई गई, क्योंकि चुनाव अभियान और राजनीतिक बहसें सीधे मतदाता व्यवहार को प्रभावित करती हैं [5]।

डिजिटल माध्यमों के विस्तार ने सूचना की उपलब्धता को बढ़ाया है, किंतु साथ ही गलत सूचना और पक्षपातपूर्ण प्रस्तुति जैसी चुनौतियाँ भी बढ़ी हैं [3]।

तालिका 1: मीडिया के प्रमुख कार्य

क्षेत्र	भूमिका
सूचना प्रसार	राजनीतिक और सामाजिक जानकारी उपलब्ध कराना
जनमत निर्माण	नागरिक दृष्टिकोण को प्रभावित करना
एजेंडा निर्धारण	मुद्दों की प्राथमिकता तय करना
लोकतांत्रिक सहभागिता	राजनीतिक जागरूकता बढ़ाना

तालिका **2:** मीडिया और राजनीति का संबंध

पहलू	प्रभाव
चुनावी प्रक्रिया	मतदाता धारणा पर प्रभाव
राजनीतिक विमर्श	सार्वजनिक चर्चा को दिशा
डिजिटल मंच	त्वरित सूचना प्रवाह
चुनौतियाँ	निष्पक्षता और सत्यता के प्रश्न

चर्चा एवं निष्कर्ष

अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि मीडिया भारतीय राजनीति में जनमत निर्माण की प्रक्रिया का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों को जानकारी प्रदान कर उनकी राजनीतिक समझ को विकसित करता है और सार्वजनिक विमर्श को दिशा देता है। मीडिया के माध्यम से नागरिक शासन की नीतियों और राजनीतिक घटनाओं से जुड़े रहते हैं, जिससे लोकतांत्रिक सहभागिता सुदृढ़ होती है।

हालाँकि मीडिया की भूमिका के साथ कई चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। पक्षपातपूर्ण प्रस्तुति, व्यावसायिक दबाव और सूचना की विश्वसनीयता से जुड़े प्रश्न जनमत निर्माण की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए मीडिया के लिए नैतिकता, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि मीडिया और भारतीय राजनीति के बीच संबंध गतिशील और बहुआयामी है। जनमत निर्माण में इसकी भूमिका निर्णायक है, किंतु लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखने के लिए मीडिया की विश्वसनीयता और जिम्मेदार व्यवहार को मजबूत करना आवश्यक है।

संदर्भ

[1] शर्मा, आर. (2018). मीडिया और लोकतंत्र।
[2] सिंह, ए. (2019). भारतीय राजनीति में संचार माध्यमों की भूमिका।
[3] वर्मा, के. (2021). डिजिटल मीडिया और जनमत निर्माण।
[4] गुप्ता, आर. (2020). मीडिया एजेंडा और राजनीतिक विमर्श।
[5] चौधरी, एस. (2022). चुनावी राजनीति और मीडिया प्रभाव।
[6] नायर, वी. (2019). राजनीतिक संचार के सिद्धांत।
[7] भटनागर, एम. (2020). जनसंचार और समाज।
[8] मिश्रा, पी. (2021). मीडिया और लोकतांत्रिक सहभागिता।
[9] अग्रवाल, डी. (2018). सूचना समाज और राजनीति।
[10] तिवारी, एल. (2023). भारतीय मीडिया के समकालीन आयाम।

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–Non-Commercial–No Derivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) license. This license permits sharing and redistribution of the article in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted under this license.